Properties of late Dhirendra Brahmachari

*803. SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: †
DR. MURLI MANOHAR JOSHI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state::

(a) what is the present status of institutions and property including the gun factory situated in Jammu and Kashmir in the name of the late Dhirendra Brahmachari in any capacity and manner;

(b) what is the value of the properties concerned and how much of it was on the land leased/owned by Government and their present status; and

(c) what steps Government have taken to take over the control of the institutions and properties after the death of the Brahmachari?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Late Swami Dhirendra Brahmachari has left behind four properties in the State of Jammu & Kashmir, viz., (i) Vishwayatan Yogashram at Katra (Jammu); (ii) Aparna Ashram at Mantalai (Udhampur). (iii) Aparna Ashram at Gandhi Nagar (Jammu); and (iv) Shiva Gun Factory at Jammu. After the death of Swami Dhirendra Brahmachari, the ownership of all these properties has become the subject matter of court cases which are pending. In the meanwhile, the State Government of Jammu & Kashmir has posted static guards at the premises of all these properties.

(b) The valuation of these properties has not been done. The Aparna Ashram at Mantalai is in occupation of 283.16 Kanals of Government land and 65.09 Kanals of village common land No Government land is involved in other properties.

(c) As the assets of the Vishwayatan Yogashram have been created out of Government grants, a Bill has already been introduced in the Rajya Sabha on 26.8.1994 for taking over its management. The other properties are private properties and no steps have been taken so far to take over control of these properties. Besides these are the subject matter of court cases.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : उपसभापति महोदय, आपका बहुत धन्यवाद। मैं आपका संरक्षण चाहता हूं और प्रधान मंत्री जी का भी ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं क्योंकि जो उत्तर दिया गया है, वह अपूर्ण है। मेरा प्रश्न अंग्रेजी में था। जो उसका अनुवाद किया गया है, वह बिलकुल उल्टा है और सीमित है मैंने पूछा था कि कश्मीर में जो गन-फैक्टरी है उसको शामिल करते हुए, धीरेन्द्र ब्रह्मचारी जो सत्ता के गलियारों में, पत्र पत्रिकाओं में और अखबारों में बहुचर्चित व्यक्ति रहे हैं, उनकी प्रोपर्टीज के बारे में मैंने सवाल किया था। जो उत्तर दिया गया है वह केवल जम्मू-कश्मीर के संबंध में दिया गया है। मैं आपका संरक्षण चाहता हूं और विद्वान सम्माननीय प्रधान मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि अंग्रेजी में जो मैंने प्रश्न भेजा उसका हिन्दी में जिस प्रकार से गलत अनुवाद किया गया, उसकी तरफ में उनका ध्यान दिलाना चाहता हूं

यदि आज्ञा हो तो मैं आगे प्रश्न पूछूं

उपसभापति : आज्ञा है कहिए।

प्रधान मंत्री (श्री नरसिंह राव) : मैडम, यही बात है कि अंग्रेजी का कुछ कहता है और हिन्दी का कुछ कहता है। हमारा अधिकारिक तो हिन्दी ही होता है। सब लोग जानते हैं, फिर भी

The Question was actually asked in the floor of the House by Shri Trilokinath Chaturvedi.

This is a matter of information. There is nothing to conceal. If the information, as provided in English is incomplete, we will complete it. There is no problem at all on it. But this is an ambiguity which has arisen from the discrepancy in the two versions—between the two versions.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : उपसभापति महोदया, धन्यवाद जो अधिकारियों के दायित्व की तरफ इशारा प्रधान मंत्री जी ने किया क्योंकि इस प्रकार का पुराना पापी जीवन मेरा भी रहा हुआ है। लेकिन मैं तो यह मानकर चलता हूं कि इस सदन में जो दायित्व होता है वह मंत्री महोदयों का ही होता है. . .(**व्यवधान**) . . .अब ऐसा है कि जोगी जी तो मेरे चेले रहे हुए है। मैं गुरु तो गुड़ रह गया और वे शक्कर बन गए है। मैं अब प्रश्न पूछना चाहता हूं ।

मेरा प्रथम प्रश्न यह है कि जम्मू एण्ड काश्मीर में जो भी धीरेन्द्र जी की सम्पत्ति है या देश के अन्य भागों, दिल्ली में, बिहार में, उत्तर प्रदेश में है जिनका कुछ विवरण एक अनस्टार्ड क्वेश्चन में सरकार ने पहले दिया था, मगर उसका और अधिक विवरण प्राप्त हो सकता है उस सम्पत्ति के खरीदने के स्रोत क्या रहे? और राज्य सरकारों ने या भारत सरकार ने कस्टम एक्जेम्पशन या इन्कम टैक्स इत्यादि की दृष्टि से क्या सुविधाएं दी? यह मेरा पहला "अ" भाग प्रथम पूरक प्रश्न का है, "ब" अगर कहें तो अभी पूछ लूं ।

उपसभापति : नहीं, बाद में पूछ लीजिएगा। आपको "बी" की इजाजत है। आप दो पूछ सकते हैं।

श्री भुवनेश चतुर्वेदी : माननीय उपसभापति जी, यह सवाल जम्मू एण्ड काश्मीर की सम्पत्ति से संबंधित है. . (**व्यवधान**) . . मेरी बात सुनिए तो सही?

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैडम, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं । मंत्री फिर वही दोहरा रहे हैं। प्रधान मंत्री ने कहा कि ऐसा नहीं है एम्बिग्विटी है। यह प्रधान मंत्री ने कहा और उसके उपरांत भी वही रूख इसी वजह से मैंने पहले आगाह किया था ।

श्री भुवनेश चतुर्वेदी : मैं यह निवेदन कर रहा हूं कि इस सवाल को विभाग ने जम्मू एण्ड काश्मीर से संबंधित संपत्तियों के लिए माना. . (**व्यवधान**) इसीलिए यह जो सूचना है . . (**व्यवधान**) . .

श्री दिग्विजय सिंह : चारों वेदों के जानने वाले आमने सामने हैं तो मामला गंभीर हो जाता है।

श्री भुवनेश चतुर्वेदी : मेरा कोई इनसे झगड़ा नहीं है। मेरे से बड़े हैं वे ।

मेरा निवेदन यह है कि जम्मू एण्ड काश्मीर में जो इस संपत्ति का विवरण इस प्रश्न के उत्तर में विभाग द्वारा भेजा गया है, उसमें जम्मू में चार संपत्तियां हैं चारों संपत्तियों के बारे में आपको जानकारी दे दूं अगर आप चाहें तो।

यह जो संपत्ति है विश्वासतल—जैसे जवाब में पूरा दे दिया गया है, स्टेटमेंट में, लेकिन जो कटरा में संपत्ति है, जो आश्रम की है, मिनिस्ट्री आफ हैल्थ ने उसको टेक ओवर करने के लिए प्रारंभिक कार्यवाही की है। लेकिन इस संपत्ति का झगड़ा न्यायालय में चल रहा है इसलिए उसमें अधिक प्रगति नहीं हो सकी। लेकिन विभाग के जो अधिकारी हैं उनको मैनेजिंग ट्रस्टी बना दिया गया है। वे इसकी इन्वेंट्री वगैरह तैयार कर रहे हैं। लेकिन न्यायालय में सबजुडिस है इसलिए इसमें विशेष प्रगति नहीं हो सकी है।

दूसरा शिवगंज फैक्टरी जम्मू में है। उसके विषय में यह है कि जो धीरेन्द्र ब्रह्मचारी की अपनी संपत्ति थी उसमें एक पार्टनर दिए गए थे। उसमें भी यह झगड़ा है कि दूसरे जो रह गए थे पार्टनर समझिये या जिनके नाम कही जाती है कि बिल है उन्होंने भी अदालत में यह विवाद खड़ा किया है कि यह संपत्ति बिल के द्वारा उन्हें दी गयी है । इसलिए वह विवादग्रस्त है । तीसरा जो उनकी

अपर्णा आश्रम की उधमपुर में उसका कोर्ट में ओनरशिप का डिसप्यूट चल रहा हैं। लेकिन ये चारों संपत्तियां क्योंकि विल के कारण डिसप्यूट में है इसलिए केवल यह कहा गया है कि राज्य सरकार ने इसकी सुरक्षा के लिए अपने अधिकारी और पुलिस वहां नियुक्त कर दी है और जो स्वास्थ्य विभाग ने मंत्रालय ने मैनेजिंग ट्रस्टी बनाए हैं वे अपनी इन्वेन्टरी तैयार कर रहे हैं और उसके बाद आगे कार्यवाही होगी। इसके लिए भी राज्य सभा में टेकओवर करने के लिए बिल पेश हो चुका है, लेकिन वह इसीलिए आगे प्रगति नहीं कर सका है कि जब तक यह फैसला नहीं हो जाए यह थोड़ा विवादस्पद चीज है।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : उप-सभापति महोदया, मैं पुनः आपका संरक्षण चाहता हूं बार बार मुझे मंत्री द्वारा वही बताया जा रहा है जो कि लिखित सूचना हमको दी जा चुकी है। मैं यह जानना चाहता था कि किन स्रोतों से इनको फाइनांस किया गया है, उसका उत्तर नहीं आया। जो अन्य जगहों में उनकी प्रापर्टीज हैं उनका क्या अधिग्रहण करने का या जो विवादग्रस्त भी कोर्ट में है उसमें सरकार की तरफ से इंटरवीन करने का कोई इरादा है क्योंकि प्रश्न इस बात का है कि यह प्रापर्टी कहां से आई ? क्या हवा से आई या जनता की है ? इसी वजह से अलग-अलग प्रश्न में मैंने यह भी पूछा हैं इन एनी स्टेट्स... **(व्यवधान)** नहीं, मैं कोई पुरानी बात नहीं कहना चाहता। आप बिल्कुल निश्चिन्त रहें मैं कभी इस तरह की कोई .... **(व्यवधान)**

श्री सोमपाल : इनको भी चार्जशीट दीजिए।.... **(व्यवधान)**

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैं कभी कोई भी इस प्रकार का अनौचित्य, इस प्रकार की कोई अनुचित बात करने की चेष्टा नहीं करूंगा।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us come back to the question.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैडम, इसी वजह से मैं यह जानना चाहता हूं कि मंत्री इसका उत्तर दें कि इसके सोर्सेस आफ फाइनांस क्या हैं और काश्मीर सरकार ने या बिहार सरकार ने या उत्तर प्रदेश सरकार ने, दिल्ली सरकार ने क्या क्या सुविधाएं और ग्रांट इन एड उनको दिए हैं ? यह मैं पहले पूछना चाहता हूं, उसका उत्तर नहीं आया। अहर कहें तो मैं आगे फिर पूछूं, अभी तो मेरा प्रथम पूरक का "अ" भाग ही पूरा नहीं हुआ है ?

श्री भुवनेश चतुर्वेदी : जैसा मैंने निवेदन किया कि चारों संपत्तियों का जो जम्मू में स्थित हैं... **(व्यवधान)**

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : फिर वही, आपका अनस्टार्ड क्वश्चन अभी महीने भर पहले मेरा और उनका था, उनका भी आप अभी भी जिक्र नहीं कर रहे हैं, जम्मू-कश्मीर की बात कर रहे हैं, आप पहली बात का तो उत्तर दे दें। आप सही कह दें तो मैं बैठ जाऊंगा।.... **(व्यवधान)**

श्री भुवनेश चतुर्वेदी : आपकी सब बात का जवाब दिया .... **(व्यवधान)**

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैं आपसे खाली एक प्रश्न पूछना चाहता हूं और इस वजह से कि यह प्रापर्टी बेनामी लोग जगह-जगह एक लाख रुपये, तीन लाख रुपये में खरीद रहे हैं, जिसमें हवाई जहाज शामिल हैं, बड़ी प्रापर्टी है। यह जनता का धन नहीं हैं, उसका दुरुपयोग नहीं है तो क्या है ? इसलिए मैं आपसे यह प्रश्न करना चाहता हूं और अगर आपके पास उत्तर नही है, जानकारी नहीं है तो आप बाद में दे सकते हैं। मैंने प्रधान मंत्री जी से निवेदन किया था।

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: This is an inter-departmental question, inter-ministerial question. He has asked about the sources, about how much concession was given to these institutions, etc. This information would obviously be not available either with Mr. Chaturvedi or with me right now. We can get this information and there is nothing to conceal. Anything that the hon. Members want will be furnished.

उपसभापति : जोशी जी, अब आप सन्तुष्ट हैं, प्रधान मंत्री जी ने जवाब दिया ?

डा० मुरली मनोहर जोशी : नहीं, मैं बिल्कुल सन्तुष्ट नहीं हूं । मैं कई बातें पूछना चाहता हूं ।

उपसभापति : आपका जवाब तो प्रधान मंत्री जी ने दिया । अब शायद कोई नई बात पूछ रहे है .... (**व्यवधान**)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैं प्रधान मंत्री जी का अनुग्रहीत हूं क्योंकि उन्होंने वस्तुस्थिति अपने ढंग से स्पष्ट कर दी ।

उपसभापति : अभी जोशी जी को पूछने दीजिए ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैं केवल एक छोटा सा . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : नहीं, अभी जोशी जी को पूछने दीजिए ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : जोशी जी के पहले उपसभापति महोदया, मैं एक छोटा सा प्रश्न पूछ लूं कि क्या आप . . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : क्या आप अपना टाईम दे देंगे . . . (**व्यवधान**)

डा० मुरली मनोहर जोशी : नहीं . . (**व्यवधान**)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : सेकण्ड सप्लीमेंटरी का मेरा अधिकार है ।

उपसभापति : नहीं-नहीं, आपने दो पूछ लिए हैं । . . . . (**व्यवधान**)

श्री एस० एस० अहलुवालिया : आप दो पूछ चुके है ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : अब अहलुवालिया साहब, बिहार की बात बोलने हैं . . . . (**व्यवधान**)

श्री एस० एस० अहलुवालिया : नहीं नहीं, यह बिहार की बात नहीं है । यह नई परम्परा सदन में नहीं चलनी चाहिए कि एक मैंबर . . . . (**व्यवधान**)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : अगर अहलुवालिया साहब चाहते हैं कि वह मुझे दबा सकते हैं . . . . (**व्यवधान**)

श्री एस० एस० अहलुवालिया : नहीं, दबाने की बात नहीं है । आप गलत परम्परा चला रहे है । यह गलत परम्परा चला रहे हैं सदन में ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैडम, मैं दबाया नहीं जा सकता । यह जो चेष्टा दबाने की बार-बार अहलुवालिया साहब करते हैं और वह समझते हैं कि उनकी दबंग आवाज में जनता की आवाज और मेरी छोटी आवाज दबायी जा सकती है, तो वह गलतफहमी में हैं ।

उपसभापति : आप बैठिए ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : यह मैं बार-बार कह चुका हूं । इनको निवेदन कर चुका हूं । मैडम, आप कहेंगी तो मैं बैठ जाऊंगा ।

उपसभापति : चतुर्वेदी जी, ऐसा है कि आपने दो सवाल पूछे . . . (**व्यवधान**) . . . आप बैठिए शास्त्री जी,

I don't need your help.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैडम, मैंने प्रश्न "अ" और "ब" भाग में किया और आपने कहा कि "अ" पूछिए . . .

उपसभापति : आप बैठिए । एक सैकेंड आप बैठिए । ऐसा है कि आपने सवाल पूछे और प्रधान मंत्री जी ने कहा कि इस सवाल में चूंकि थोड़ा विवाद यह हुआ कि अंग्रेजी और हिन्दी का जो अलग-अलग ट्रांसलेशन था, उसमें फर्क है इसलिए जवाब में भी फर्क आ रहा है । फिर

प्रधान मंत्री जी ने जैसे कहा कि उसमें जवाब अलग-अलग मंत्रालयों से संबंधित है, तो पूरी जानकारी उनके पास नहीं है । अब चूंकि जोशी जी का नाम है, मैं समझती हूं कि

Properiety demands that Joshiji should ask.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैडम, दूसरा तो रह गया ।

उपसभापति : नहीं, दूसरा हो गया ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आपकी आज्ञा शिरोधार्य है, इसलिए मैं बैठ जाता हूं ।

उपसभापति : "थैंक्यू वैरी मच" आप इतने शिष्ट हैं कि मैं आपका एहसान मानती हूं ।

डा० मुरली मनोहर जोशी : मैडम, इस प्रश्न के उत्तर में कहा गया है कि जानकारी इस कारण से नहीं है कि इसमें कुछ इंटर-डिपार्टमेंटल चीज जुड़ी हुई हैं, लेकिन प्रश्न के "ब' भाग के उत्तर में खुद आपने कहा है कि

the valuation of this property has not been done.

इसका अर्थ है कि जानकारी है और विभाग ने जानकारी प्राप्त करने की चेष्टा की है ।

श्री पी० वी० नरसिंह राव : देखिए, चतुर्वेदी ने पूछा, इसके स्रोत क्या हैं ? इनको रियायतें क्या दी गयी हैं ? उनके बारे में मैंने कहा कि हमारे पास वह सारी जानकारी नहीं रह सकती, मंगाकर दे देंगे ।

डा. मुरली मनोहर जोशी : महोदय, प्रश्न के "स" भाग के उत्तर में लिखा है कि कोर्ट केसेस चल रहे हैं, इसलिए बहुत से मामले इस मामले में अटके हुए हैं । मैडम, आप जरा इस पर गौर करें कि 9 जून, 1994 को ब्रह्मचारी जी का देहान्त हुआ । 26 अगस्त, 1994 को राज्य सभा में एक विधेयक लाया जाता है—

The Yoga (Taking Over of Management) Bill, 1994

और 14 सितम्बर, 1994 को मुजफ्फरनगर में केसेस शुरू हो जाते हैं । तो इसका अर्थ है कि सरकार 26 अगस्त को इस मामले को उठा रही थी और यह समझती थी कि इन तमाम चीजों का प्रबंध हाथ में ले लेना चाहिए, कम-से-कम विश्वायतन योग आश्रम की जितनी संपत्ति है उसको तो ले ही लेना चाहिए । वह आपने दिल्ली में ले ली, लेकिन जम्मू-कश्मीर में जो विश्वायतन योग आश्रम है, उसका क्या किया ? आज तक उसमें आपका अधिकार नहीं है । आपके मैनेजिंग ट्रस्टी को उसमें काम करने नहीं दिया जाता । वहां के निकाले हुए कर्मचारियों को बहाल नहीं किया गया है । वहां के 38 कर्मचारी परेशान हैं और सरकार बार-बार कहती है कि चूंकि हमारे अधिकार में वह स्थान नहीं आया है अभी इसलिए हम कुछ नहीं कर सकते । जम्मू-कश्मीर की सरकार आपके प्रबंधन्यासी को कब्जा नहीं लेने दे रही है । जम्मू-कश्मीर की सरकार का टूरिस्ट डिपार्टमेंट और वैष्णो देवी न्यास मण्डल के लोग उसमें उन्हें घुसने नहीं दे रहे हैं और मैडम वह बहुत बड़ी जमीन है 25 एकड़ की प्राइम लैंड है । आप खुद ही कहते हैं कि 283.86 और 65.6 कनाल जमीन वहां उनके पास है और उसके साथ बहुत सारी संपत्ति है । तो आप उसमें क्या कर रहे हैं ? अब जब मुकदमा शुरू हो गया है और सरकार ने कहा है कि कोर्ट में केसस चल रहे हैं, तो ये कोर्ट केसस हैं क्या ? मैडम, अरबों रुपए की संपत्ति को कौड़ियों के दाम नीलाम करने की साजिश की गयी है कोर्ट के अन्दर । मुझे यह कहते हुए बहुत दुख है और इस सार्वजनिक संपत्ति को जो कि देश की जनता के पैसे से बना है, उसके लिए सरकार कुछ ध्यान नहीं दे रही है । तमाम जितनी भी उनकी फिक्ड्रयां हैं, सरकार की बहुत बड़ी धनराशि उसके ऊपर बकाया है । इनकी संपत्ति पर 46 लाख रुपए इनकम टैक्स बकाया है तो सरकार क्या कर रही है ?

उपसभापति : जवाब तो आने दीजिए ।

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: It is a little unfair to say that there is some conspiracy going on about something which is pending in a court. यह हम तो नहीं मान सकते। (*Interruptions*) While the court proceedings are on, to say that there is a conspiracy going on on paralled lines, is wrong. (*Interruptions*)

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: The Bar Association of Muzaffarnagar had raised serious objections about those cases.

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: It is quite possible, Madam. But once a matter is *sub-judice*, there are limits beyond which we cannot go in taking action. That is what I would like to submit.

उपसभापति : नहीं आप बैठिए।... (**व्यवधान**)...देखिए यह कोई तरीका नहीं है कि सब लोग खड़े हो जाएं। ... (**व्यवधान**)...

The Prime Minister has explained the position clearly.

डा० मुरली मनोहर जोशी : आपने प्रोपर्टी को एक्वायर करने के लिए विधेयक यहां रखा था लेकिन अभी तक वह एक्वायर नहीं किया गया।...(**व्यवधान**)...

उपसभापति : जोशी जी आप कृपया अपना स्थान ग्रहण करें...(**व्यवधान**)..

डा० मुरली मनोहर जोशी : महोदया देखिए हम यहां प्रश्नों का उत्तर जानने के लिए हैं। केवल इसलिए नहीं है कि खड़े होकर कुछ कह दें और हम कह दें कि प्रधान मंत्री ने कह दिया और हम बैठ जाएं। आखिर स र्वजनिक संपत्ति का सवाल है, अरबों रुपए की संपत्ति का सवाल है और अगर कोर्ट में गया है तो सरकार को जाकर उसमें इण्टरवीन करना चाहिए। सरकार इण्टरवीन कर सकती है। उसमें केन्द्रीय सरकार के सव के पैसे लगे हुए हैं। लाखों रुपए का इन्कम टैक्स बकाया है।...(**व्यवधान**)...

उपसभापति : सोमपाल जी।

डा० मुरली मनोहर जोशी : इसका कोई जवाब नहीं देंगे?...(**व्यवधान**)...

श्री सोमपाल : उपसभापति महोदय, सरकार ने कहा कि इनके पास संपत्ति की जानकारी नहीं है। मेरे पास उस संपत्ति की पूरी सूची है और मैं सरकार को दे सकता हूं। प्रधान मंत्री महोदय बैठे है अभी दे दूंगा। इसमें चार-पांच मोटे में गिनवा देता हूं। कृषि भूमि के लिए तुलेरी जिला मुजफ्फरनगर में पांच हैक्टेयर भूमि ग्राम सिलखारा गुड़गांवा (हरियाणा) में कुछ भूमि।

उपसभापति : अब यह सब मत बताइए। आप संबद्ध सवाल पूछ लीजिए।

श्री सोमपाल : मैडम यह बहुत महत्वपूर्ण है। सिर्फ मैं चार गिनवा देता हूं ज्यादा नहीं।...(**व्यवधान**)...

मौलाना अबेदुल्ला खान आजमी : सरकार की बेखबरी पर रोशनी पड़ रही है...(**व्यवधान**)..

*[مولانا عبید اللہ خان اعظمی : سرکار کی بے خبری پر روشنی پڑ رہی ہے۔ ...(مداخلت)...]

श्री सोमपाल : अपर्णा आश्रम के दो प्लाट फ्रेंडस कालोनी नई दिल्ली मे, चार मंजिला मकान गांधी नगर, जम्मू में, अपर्णा आश्रम मानकलाई ऊधमपुर मे, अपर्णा आश्रम कटरा वैष्णोदेवी में, शिव गन-फैक्टरी और उसके नीचे चल संपत्ति-तीन हवाई जहाज, दो मर्सडीज कार, एक मारूति, तीन मारूति कार, दो एम्बेसडर, दस जीपें, दो बस, दो ट्रक और दो पुल-डोजर...(**व्यवधान**)...

उपसभापति : आप सवाल पूछिए।

*[ ] Translation in Arabic script.

श्री सोमपाल : एक रोड रोलर, तीन ट्रैक्टर, 15 गाय, दो घोड़े . . . (**व्यवधान**) . . और बहुत सारे आइटम्स यह पांच पृष्ठों की सूची है। इसमें जो बात मैं उठाना चाहता हूं . . . (**व्यवधान**) . . . कृपया सुन लीजिए। शोर मत करिए। मैं जो बात इसमें उठाना चाहता हूं वह यह कि मुजफ्फरनगर . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री चतुरानन मिश्र : यह सभी एक ब्रह्मचारी को।

श्री सोमपाल : कुछ व्यक्ति मिश्र जी दुनिया में ऐसे होते हैं, जो असंवैधानिक और गैर-कानूनी काम करते हुए पैदा होते हैं, मरते हैं और उनकी मृत्यु के उपरान्त भी वह चलता रहता है। हमने उस आदमी के भ्रष्ट उच्चारण भ्रष्ट योग के भाषण दूरदर्शन पर सुने, राष्ट्रीय दूरदर्शन पर। . . (**व्यवधान**) . . . सुनिए। . . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभापति : अभी आप सवाल पूछिए। . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI JAGESH DESAI: Madam, it is not fair to say something about a dead person.... (*Interruptions*)..

श्री एस० एस० अहलुवालिया : महोदया, किसी की मृत्यु के उपरांत इस प्रकार की बात कभी भी नहीं उठाई गई। . . . (**व्यवधान**) . . .

मौलाना मोबेदुल्ला खान आजमी . क्या आप भ्रष्टाचार की हिफाजत कीजिएगा ? (. . . **व्यवधान**) . . .

*مولانا عبیداللہ خاں اعظمی : کیا آپ بھرشٹاچاری حفاظت کیجئے گا۔

[. . . "مداخلت" . . .]

उपसभापति : सोमपाल जी आप सवाल पूछिए। . . . (**व्यवधान**) . . .

*[ ] Translation in Arabic script.

श्री सोमपाल : उपसभापति महोदया, आप कृपया उन्हें कहें कि भ्रष्टाचार के कर्मों को ऊंची आवाज में दबाने का प्रयास न करें। यह बहुत संगीन मामला है।

उपसभापति : आप एकदम संक्षेप में पूछिए। Because today we have not asked any question.

बसंत कुमार जी ने भी लंबा सवाल पूछा। अब आप पूछ रहे हैं।

श्री सोमपाल : अभी समाप्त करता हूं। प्लीज परमिट करें। अभी सवाल करता हूं। एक घटना ऐसी हुई है कि मुजफ्फर नगर जिले में 14 सितंबर, 1994 को सिविल जज के यहां केस डाला गया और पांच दिन का नोटिस करके एक लाख रुपए में उसका नीलामी का नोटिस करके एक लाख रुपए की कीमत जानबूझकर इसलिए रखी गई कि यह उच्च-न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के बाहर रखा जा सके और जो लोग उसे खरीदने वाले हैं कोर्ट ने एलाऊ कर दिया उसको और माननीय प्रधान मंत्री जी ने कह दिया कि यह कचहरी का मामला है आप दखल नहीं कर सकते वह जानबूझकर किया भी इसीलिए गया है और शर्म की बात यह है हमारे न्याय मंत्री महोदय यहां बैठे हैं इन्हीं के जूनियर वकील सुभाष माहेश्वरी जो सर्वोच्च न्यायालय में प्रेक्टिस करते हैं उनके बेट विपुल और विराज ने वह संपत्ति खरीदी है और वह आज भी इनके चैम्बर में आए है। . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI JAGESH DESAI: Madam, it is not fair to say something about a dead person...(*Interruptions*)...

SHRI AJIT P. K. JOGI: Madam, this cannot be permitted. .. (*Interruptions*)..

Madam, this is not the procedure.... (*Interruptions*)...

श्री सोमपाल : प्रधान मंत्री जी इसके विस्तृत समाचार अखबारों में छपे हैं। . . .

(व्यवधान)... मैं कोई निराधार बात नहीं कह रहा हूं। अखबारों में छपा है। ..(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. I know the procedure..... (*Interruptions*)..

श्री सोमपाल : प्रधान मंत्री जी, इसके विस्तृत समाचार अखबारों में छपे हैं।...(व्यवधान)...

उपसभापति : आप बैठिए।... ...(व्यवधान)... आप बैठिए।... (व्यवधान)..बैठ जाइए। प्लीज बैठ जाइए।...(व्यवधान)...सोमपाल जी, एक मिनट बैठ जाइए।... (व्यवधान)...
I know the rules. I know the procedure.

श्री सोमपाल : क्या भ्रष्टाचारियों को बचाने का ठेका आपने ही ले लिया है?... (व्यवधान)...

श्री एस० एस० अहलुवालिया : बिना किसी को पूछे खड़े हो जाते है।... (व्यवधान)...इस सदन की भी कोई परम्परा है।...(व्यवधान)...

श्री सोमपाल : कोई परम्परा नहीं है। ..(व्यवधान)...

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : सिकंदर साहिबा... (व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. I am in the Chair and I know the rules..(Interruptions).. Please sit down. I know the procedure.... (Interruptions).. Please sit down. (Interruptions).. If you keep quiet, then I can be heard..(Interruptions).. I will speak, I am in the Chair. Otherwise, you handle the matter yourselves..(Interruptions)...Okay, then don't ask me to go ahead..(Interruptions)..

SHRI SIKANDER BAKHT: It is disgusting.. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Don't tell me anything..(Interruptions).. It is very sad..(Interruptions).. when I am in the Chair and I am saying that I know what the rules are. I can stop the Member wherever he is going, wrong. Please help me. I know what the rules are. Don't get agitated. I will tell Mr. Sompal. Mr. Som Pal, anybody who is not a Member of the House, please do not take his name. And if you are taking the name of a Minister, you have to do it according to the rules—I want to put it on record—(*Interruptions*)... Just a minute. According to the Rules of Procedure...(*Interruptions*)... you must have to give a prior notice.... (*Interruptions*).... I am not allowing like this... (*Interruptions*)... You will have to give a prior notice and take my permission: then only you can make any allegations.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI H. R. BHARDWAJ): Madam, kindly permit me to say something.

श्री सोमपाल : मेरे पास हिन्दुस्तान टाइम्स और राष्ट्रीय समाचार पत्रों के समाचार हैं, अगर ये समाचार गलत हैं... (व्यवधान)...अगर ये समाचार गलत हैं... (व्यवधान)...

श्री एस०एस० अहलुवालिया : परम्परा यह है कि सदन में कोई भी बात कहने से पहले जिस मिनिस्टर का नाम लिया गया है उसको जरूर बोलने देना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री संघ प्रिय गौतम : आप बैठ जाइए ...(व्यवधान)...

श्री सोमपाल : मुझे प्रश्न पूरा करने दीजिए आप।...(व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Som Pal, please sit down for a minute. Let him answer ..(*Interruption*).... Mr.

Som Pal even if you are putting a question and if you are going to mention the name of a Minister, he may be present.. *(Interruptions)*.... Who is sitting in the House. I will give him first right to clear himself. Then I can allow anybody else. *(Interruptions)*. Let him answer.

श्री सोमपाल : और मैं चाहता हूं कि इसकी इंक्वायरी करेंगे या नहीं करेंगे आप ? ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति : आप बैठ जाइए।... **(व्यवधान)**... बैठिए।... **(व्यवधान)**..

श्री सोमपाल : आप गलत परम्परा रख रही हैं ।

उपसभापति : कोई गलत परम्परा नहीं रख रही हूं मैं आप बैठिए ।... **(व्यवधान)**...

श्री सोमपाल : आप तोड़-मरोड़ कर कह रही हैं ।... **(व्यवधान)**...

श्री हंसराज भारद्वाज : मैडम,... **(व्यवधान)**...

श्री सोमपाल : मैंने कोई आरोप नहीं लगाया है मंत्री पर ।... **(व्यवधान)**...

श्री हंसराज भारद्वाज : आप सुनें, मैं आपको जवाब दे रहा हूं । कोई आरोप होगा तो मैं उसको स्वीकार करूंगा लेकिन मुझे अपनी बात कहने की तो इजाजत होनी चाहिए ।... **(व्यवधान)**... सुनते क्यों नहीं आप ? ...**(व्यवधान)**... सुनिए तो सही ।... **(व्यवधान)**...

श्री दिग्विजय सिंह : उपसभापति महोदया, मैं सिर्फ एक बात जानना चाहता हूं।... **(व्यवधान)**...मैं आपसे सिर्फ एक चीज जानना चाहता हूं कि समाचार पत्रों के माध्यम से हम लोग यहां सवाल करते हैं या नहीं ? अगर उसकी इजाजत है तो सोमपाल जी को इस प्रश्न की इजाजत मिलनी चाहिए ।... **(व्यवधान)**...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : सवाल का जवाब नहीं मिला है ।... **(व्यवधान)**..

SHRI H. R. BHARDWAJ: Madam, I want to say something.

उपसभापति : माथुर साहब, आप बैठिए । .**(व्यवधान)**...आप बैठ जाइए । ..**(व्यवधान)**...

श्री सोमपाल : मेरा अधिकार है, मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं... **(व्यवधान)** ...

उपसभापति: सोमपाल जी, आप बैठिए एक मिनट ।... **(व्यवधान)**...

Let me put the record straight because some of the Members do not know what the limitations are. Yesterday, one Member one hon. Member of this House, wanted to raise the issue of a murder which took place in the House of an M.P. I objected to it. I said, "This is our rule that we cannot raise an issue about a Member or a Minister until and unless we give permission." And that Member happens to be from your party. I said this regardless of any political party... *(Interruptions)*...

Jaipalji, you control your people.

SHRI S. JAIPAL REDDY: I seek your permission, Madam,

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you but I am only referring to that. I abide by rules. My rules are for everybody. If you are going to refer to a Minister who happens to be a Member... *(Interruptions)*...

No, no, Listen to me.

श्री सोमपाल : मैंने कोई आरोप नहीं लगाया ।... **(व्यवधान)**...

SHRI H. R. BHARDWAJ: I want to be on record. One thing, the lawyer when he is referring to was an addl. Advocate General of Shri V. P. Singh, He was an addl. Advocate-General of Shri V. P. Singh. The planes were used by Shri Devi Lal in his election campaign. You verify it. he was an Additional Advocate-General of Shri V. P. Singh and Shri Devi Lal used his plane. If it is incor-

rect, I will resign from the House. (*Interruptions*).

And they protected him in 1991. He was an Additional Advocate General of Shri V. P. Singh and he is your man. Mr. Maheshwari was Shri V. P. Singh's counsel. He was the Additional Advocate General of Shri V. P. Singh's Shri Devi Lal used the aircraft for his election campaign. (*Interruptions*).

श्री सोमपाल : मैंने कोई चार्ज नहीं लगाया । . . . **(व्यवधान)** . .

डा० मुरली मनोहर जोशी : महोदया, यह स्टेंडिंग कमेटी की रिपोर्ट है, जिसमें लिखा गया है कि :

"The Committee, however feels that the Department of Health has miserably failed in taking adequate steps to protect the government property and has not moved with the speed as was required to set-up the centre of excellence for promotion of yoga."

यह स्टैंडिंग कमेटी की यूनेनिमस रिपोर्ट है । . . . **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : इस सदन में किसी सवाल का जवाब तो आना चाहिए । . . . **(व्यवधान)** हम आपका संरक्षण चाहते हैं कि पहले जवाब तो आने दीजिए । . . . **(व्यवधान)**

†اشرفی سکندر بخت: اس سدن میں کسی سوال کا جواب تو آنا چاہئے۔ ... "مداخلت" ... ہم آپکا سفر کشن چاہتے ہیں کہ پہلے تو جواب تو آنے دیجئے۔ ... "مداخلت" ...]

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is no time now.

SHRI H. R. BHARDWAJ: Why don't you accept that he was the Additional Advocate-General of Shri V. P. Singh?

This must be noted — either he should accept that the charge was wrong or I may say (*Interruptions*). And he filed the nomination of Shri V. P. Singh during assembly elections. And all the cars and jeeps were used by them in elections. (*Interruptions*).

डा० मुरली मनोहर जोशी : मैं प्रधान मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहूंगा । यह स्टेंडिंग कमेटी की 14वीं रिपोर्ट है—योगा अंडरटेकिंग (टेकओवर आफ मैनेजमेंट) बिल, 1994, इसमें कमेटी कहती है कि . . .

श्री सोमपाल . . . **(व्यवधान)** मैं यह जानना चाहता हूं कि इस कचहरी के फैसले का और जो मैंने बात कही है, मैंने कोई आरोप नहीं लगाया । अगर आरोप लगाया है तो मैं माफी मांग लूंगा अभी । . . . **(व्यवधान)** फिर वही कह रहे हैं आप ।

मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस जवाब की जांच कराएगी और अगर यह काम गैरकानूनी हुआ है तो क्या एक्शन लेगी उन लोगों के खिलाफ . . . **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Joshi, I have not identified you.

SHRI H. R. BHARDWAJ: Let them own up, then I will face the challenge. (*Interruptions*)

You have used, (*Interruptions*). What are you talking about? (*Interruptions*). Yes you have used the aircrafts. I can give you the proof.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, कहां की वह बात कर रहे हैं ? उन्होंने कहा है कि कोई चार्ज नहीं लगाया . . . **(व्यवधान)**

†اشرفی سکندر بخت: صدر صاحبہ۔ کہاں کی بات کر رہے ہیں۔ انھوں نے کہا ہے کہ کوئی چارج نہیں لگایا ... "مداخلت"]

† [ ] Transliteration in Arabic script.

† [ ] Transliteration in Arabic script.

डा० मुरली मनोहर जोशी : मैं प्रधान मंत्री जी से अनुरोध करूंगा.... **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम **अफजल** : जवाब दीजिए न ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : جواب دیجئے نہ ۔

श्री हंसराज भारद्वाज : जवाब दे रहा हूं ।... **(व्यवधान)** मैं जवाब दूंगा ।... **(व्यवधान)** स्वामी जी के जहाज में कौन बैठा था ?... **(व्यवधान)**

डा० मुरली मनोहर जोशी : महोदया, मैं प्रधान मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कर रहा हूं ।... **(व्यवधान)**...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam....

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaipal Reddy, please sit down.

SHRI S. JAIPAL REDDY: He is speaking in a lawless manner. He is throwing a challenge. (*Interruptions*). You pull up the Minister He is throwing a challenge to all the Janata Dal MPs. We accept the challenge (*Interruptions*). Let there be an enquiry. We are prepared to accept the challenge. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Nuclear Technology

*864. MISS SAROJ KHAPARDE. Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India has become self-reliant in Nuclear Technology; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) and (b) India is one of the few countries in the world to have achieved comprehensive capability in the entire nuclear-fuel cycle. Starting from prospecting and mining of nuclear materials, fuel and clad fabrication, our engineers and scientists have achieved success in the design, construction and operation of nuclear reactors besides nuclear fuel reprocessing and waste management. Over the years, we have also developed self-reliance in heavy water technology, reactor control systems, radiation monitoring and radiation safety equipment, as well as in reactor repair and maintenance technology A variety of radio-isotopes are produced indgenously in our research and power reactors and are widely used in agriculture, industry and medicine. In agriculture, the Bhabha Atomic Research Centre has produced improved mutants of several crop plants. Radio-isotopes have helped in the study of fertilizer uptake and economising in the use of expensive fertilizers. Food irradiation technology, which is internationally accepted, has been promoted for the preservation of certain food products and has enhanced export capability. In industry, gamma ray radiography has been used extensively for locating flaws in industrial pressure vessels, process pipes and other critical components. Nucleonic guages have been used for the control of liquid levels in closed containers and for the measurement of thickness of pipes, foils and sheet materials. Radio-isotopes have been effectively used in locating minute leaks in underground gas oil pipelines without any need for excavation. See-page in dams and the silt movement at harbour sites have been studied using radio-isotopes In medicine, radio-isotopes are bieng, used diagnostic and therapeutic purposes in 300 medical institutions and 80 hospitals in India. Similarly, lasers for use in medicine and industry have been developed. A recent breakthrough is the use of radioisotopes for the hygienisation of municipal sewarage sludge in research irradiator at Baroda for production of bacteria free organic fertilizer.